# School of Arts, Humanities and Social Science

## CSJMU Kanpur

## Sociology

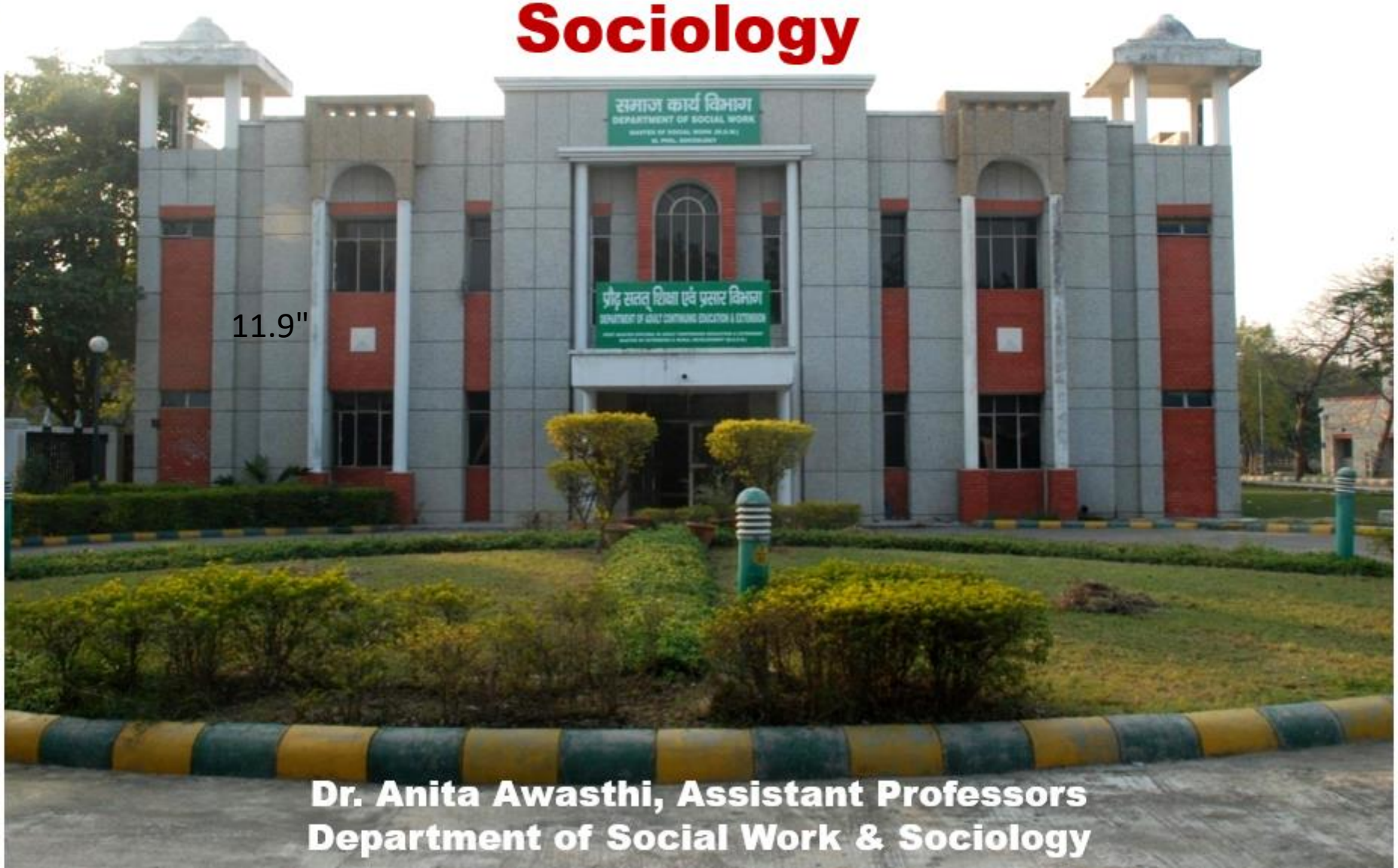


11.9"

**Dr. Anita Awasthi, Assistant Professors**
**Department of Social Work & Sociology**

# Nature of Sociology

1. Sociology is an Independent Science **समाजशास्त्र एक स्वतंत्र विज्ञान है**
2. Sociology is a Social Science and not a Natural Science **समाजशास्त्र एक सामाजिक विज्ञान है न कि प्राकृतिक विज्ञान**
3. Sociology is a Categorical or Positive science and not a Normative Discipline **समाजशास्त्र एक निरपेछ या वास्तविक विज्ञान है न कि एक आदर्शात्मक**
4. Sociology is a Pure Science and not an Applied Science **समाजशास्त्र एक शुद्ध विज्ञान है न कि व्यावहारिक विज्ञान**
5. Sociology is an Abstract Science and not a Concrete Science **समाजशास्त्र एक अमूर्त विज्ञान है न कि मूर्त विज्ञान**
6. Sociology is a Generalizing science and not a Particularizing Science **समाजशास्त्र एक सामान्यीकरण है न कि विशिष्ट विज्ञान**
7. Sociology is Both a Rational and an Empirical science **समाजशास्त्र एक तर्कसंगत विज्ञान और अनुभवात्मक विज्ञान दोनों है**

A.A.

# Nature of Sociology

## 1. Sociology is an Independent Science.

1. It is not treated and studied as a branch of any other science like philosophy or political philosophy or history. इसका अध्ययन किसी अन्य विज्ञान की शाखा के रूप में नहीं किया जाता है जैसे दर्शन या राजनीतिक दर्शन या इतिहास
2. As an independent science it has its own field of study, boundary and method. एक स्वतंत्र विज्ञान के रूप में इसका अपना क्षेत्र अध्ययन, सीमा और पद्धति है।

## 2. Sociology is a Social Science and not a Natural Science.

1. As a social science it concentrates its attention on man, his social behaviour, social activities and social life. एक सामाजिक विज्ञान के रूप में यह अपना ध्यान मनुष्य, उसके सामाजिक व्यवहार, सामाजिक गतिविधियों और सामाजिक जीवन पर केंद्रित करता है।
2. The fact that sociology deals with the Social universe it distinguishes from astronomy, physics, chemistry, geology, mathematics and other physical sciences. तथ्य यह है कि समाजशास्त्र सामाजिक ब्रह्मांड से संबंधित है, यह खगोल विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान, भूविज्ञान, गणित और अन्य भौतिक विज्ञानों से अलग है।

## 3. Sociology is a Categorical or Positive science and not a Normative Discipline.

1. Sociology “confines itself to statements about what it is, not what should be or ought to be”. समाजशास्त्र "खुद को इस बारे में बयानों तक सीमित रखता है कि यह क्या है, न कि क्या होना चाहिए"।
2. But it does not mean that sociological knowledge is useless and serves no purpose. It only means that sociology as a discipline cannot deal with problems of good and evil, right and wrong, and moral and immoral. लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि समाजशास्त्रीय ज्ञान बेकार है और किसी उद्देश्य की पूर्ति नहीं करता है। इसका केवल इतना अर्थ है कि एक विषय के रूप में समाजशास्त्र अच्छाई और बुराई, सही और गलत, और नैतिक और अनैतिक की समस्याओं से निपट नहीं सकता है।

A.A.

## 4. Sociology is a Pure Science and not an Applied Science

1. Each pure science may have its own applied field. For example: physics is a pure science and engineering is its applied field. Sociology as a pure science has its applied field such as administration, diplomacy, social work etc. प्रत्येक शुद्ध विज्ञान का अपना अनुप्रयुक्त क्षेत्र हो सकता है। उदाहरण के लिए: भौतिकी एक शुद्ध विज्ञान है और इंजीनियरिंग इसका अनुप्रयुक्त क्षेत्र है। एक शुद्ध विज्ञान के रूप में समाजशास्त्र का अपना व्यावहारिक क्षेत्र है जैसे प्रशासन, कूटनीति, सामाजिक कार्य आदि।

## 5. Sociology is Abstract Science and not a Concrete Science.

1. Sociology is not interested in concrete only it demonstrations of human events. It is more concerned with the form of human events and their patterns. For example: sociology is not concerned with particular wars and revolutions but with war and revolution in general, as a social phenomena, as a type of social conflict. समाजशास्त्र को केवल मानवीय घटनाओं के प्रदर्शन के लिए मूर्त में दिलचस्पी नहीं है। यह मानवीय घटनाओं के स्वरूप और उनके प्रतिरूपों से अधिक सरोकार रखता है। उदाहरण के लिए: समाजशास्त्र का संबंध विशेष युद्धों और क्रांतियों से नहीं है, बल्कि सामान्य रूप से युद्ध और क्रांति से है, एक सामाजिक घटना के रूप में, एक प्रकार के सामाजिक संघर्ष के रूप में।

## 6. Sociology is a Generalizing science and not a particularizing Science.

1. Sociology tries to find out the general laws of principle about human interaction and association, about the nature, form, content and structure of human groups and societies. It does not study each and every event that takes place in society. It is not possible also. समाजशास्त्र मानव समूहों और समाजों की प्रकृति, रूप, सामग्री और संरचना के बारे में मानव संपर्क और संघ के बारे में सिद्धांत के सामान्य कानूनों का पता लगाने की कोशिश करता है। यह समाज में होने वाली प्रत्येक घटना का अध्ययन नहीं करता है। यह भी संभव नहीं है।

## 7. Sociology is Both a Rational and Empirical Science

1. Rationalism, stresses reason and the result from logical inference. Empiricism, is emphasizes experience and the facts that result from observation and experimentation. – In Sociological inquiry both are significant. तर्कवाद, तर्क पर बल देता है और तार्किक निष्कर्ष से परिणाम। अनुभववाद, अनुभव और उन तथ्यों पर जोर देता है जो अवलोकन और प्रयोग से उत्पन्न होते हैं। समाजशास्त्रीय जांच में दोनों महत्वपूर्ण हैं।